# लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा पात्रविधान

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्रसङ्काय अन्तर्गत नेपाली विषयको दर्शनाचार्य तह तेस्रो सत्रको नवौं र दसौं पत्रको आवश्यकता परिपूर्तिका लागि प्रस्तुत शोधप्रबन्ध

शोधकर्ता
गङ्गाप्रसाद भेटवाल
क्रमाङ्क : १ (२०७२।०७३)
दर्शनाचार्य कार्यक्रम
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर, काठमाडौं
२०७५

शोधनिर्देशकको सिफारिस

नेपाली दर्शनाचार्य तहका विद्यार्थी गङ्गाप्रसाद भेटवालले **लीलबहादुर क्षेत्रीका** 

उपन्यासमा पात्रविधान शीर्षकको शोध मेरा निर्देशनमा तयार पार्नु भएको हो । उहाँको यो

शोधकार्य सन्तोषजनक भएकाले म यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस

गर्दछु ।

प्रा. डा. महादेव अवस्थी

(शोधनिर्देशक)

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रि. वि. काठमाडौँ।

मिति : २०७५।०५।२२

### स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्रसङ्काय अन्तर्गत नेपाली दर्शनाचार्य तहका छात्र श्री गङ्गाप्रसाद भेटवालले दर्शनाचार्य तेस्रो सत्रका लागि निर्धारित ६०९ र ६१० को परिपूर्तिको लागि तयार पार्नु भएको प्रस्तुत लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा पात्रविधान शीर्षकको शोधप्रबन्ध स्वीकृत गरिएको छ ।

### शोधप्रबन्ध मूल्याङ्कन समिति

| ( <b>9</b> ) | प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम       | •••••• |
|--------------|--------------------------------|--------|
|              | (विभागीय प्रमुख)               |        |
|              |                                |        |
| (२)          | प्रा.डा. महादेव अवस्थी         |        |
|              | (शोधनिर्देशक)                  |        |
| (₹)          | प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल |        |
|              | (आन्तरिक परीक्षक)              |        |
| (४)          | प्रा.डा. दयाराम श्रेष्ठ        |        |
|              | (बाह्य परीक्षक)                |        |
|              |                                |        |

मिति : २०७५।०६।०२

#### कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुत शोधकार्य मैले आदरणीय गुरु प्रा.डा.महादेव अवस्थीको कुशल निर्देशनमा तयार पारेको हुँ । उहाको प्राज्ञिक निर्देशन, अमूल्य सल्लाह र उचित मार्गदर्शनबाट मैले पात्रविधान जस्तो विषयमा शोधकार्य गर्न सकेको हुँ । शोधप्रस्ताव लेखन, परिमार्जनदेखि शोधकार्यलाई अन्तिम रूप प्रदान गर्ने कामसम्म उहाँले गरेको प्राज्ञिक निर्देशन मेरा लागि मूल्यवान भएकाले उहाँप्रति हार्दिक कृतज्ञताज्ञापन गर्दछु ।

लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा पात्रविधान शीर्षकको प्रस्तुत शोधप्रबन्ध मैले नेपाली विषयको दर्शनाचार्य कार्यक्रम अन्तर्गत नवौँ र दशौँ पत्रको प्रयोजनको लागि तयार पारेको हुँ। यस क्रममा मलाई प्राज्ञिक निर्देशन , सल्लाह र सहयोग गर्ने विषय विशेषज्ञ, गुरुहरू, सङ्घ, सस्था र अन्य महानुभावहरुप्रति कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु।

मलाई यो शोधकार्य गर्दा परेको सैद्धान्तिक समस्या समाधान गर्न महत्त्वपूर्ण सुभाउ र परामर्श दिने आदरणीय गुरुहरू प्रा.डा.देवीप्रसाद गौतम, प्रा.डा.खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल, प्रा.डा.मोतीलाल पराजुली, प्रा.डा. व्रतराज आचार्य, प्रा.डा.ताराकान्त पाण्डेय, प्रा.डा. रमेशप्रसाद भट्टराईप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु। मलाई सहृदयी व्यवहार र सहयोग गर्ने नेपाली विभागका कर्मचारीहरुलाई धन्यवाद दिन चाहन्छ।

म यस अवसरमा शोधकार्य सम्पन्न गर्न भक्भकाइरहनुहुने स्नेही श्रीमती र छोरालाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । यसका साथै सहयोग गर्ने मित्रहरु सीताराम ढकाल, बद्रीप्रसाद ढकाल, उमेश खड्का, ज्ञानिनष्ठ ज्ञवाली, प्रभा बराललाई पिन धन्यवाद दिन चाहन्छु । शोधकार्य गर्दा आदरणीय उपन्यासकार लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यास प्रयोग गरेकाले उहाँलाई हृदयबाटै आभार व्यक्त गर्न चाहन्छु ।

अन्त्यमा प्रस्तुत शोधप्रबन्ध आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानिवकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको दर्शनाचार्य कार्यक्रम समिति समक्ष प्रस्तुत गर्दछु।

गङ्गाप्रसाद भेटवाल

ऋमाङ्क : १, शैक्षिक वर्ष २०७२ । २०७३

मिति: २०७५।०५।२०

## विषयसूची

| पहिलो        | परिच्छेद: शोधपरिचय  | 9-90        |
|--------------|---|-------------|
| 9.9          | विषयपरिचय   | ٩           |
| 9.7          | समस्याकथन   | २           |
| ٩.३          | शोधको उद्देश्य  | २           |
| ۹.४          | पूर्वकार्यको समीक्षा  | 3           |
| <b>ዓ</b> .ሂ  | शोधको औचित्य तथा महत्त्व  | 5           |
| ٩.६          | शोधको सीमाङ्कन  | 5           |
| ٩ <u>.</u> ७ | शोधविधि   | ९           |
|              | १.७.१ सामग्री सङ्कलन विधि   | ९           |
|              | १.७.२ सामग्री विश्लेषण विधि   | ९           |
| ۹.5          | शोधप्रवन्धको रूपरेखा  | 90          |
| दोस्रो प     | परिच्छेद : पात्रविधान विश्लेषणको आधार                                     | ११-१७       |
| २.१          | पात्र शब्दको व्युत्पत्ति र अर्थ   | 99          |
| २.२          | पात्रको प्रकार  | १२          |
| २.३          | पात्र अध्ययन विश्लेषणका पद्धतिहरू   | १४          |
| ٧.٧          | पात्रविधानका अध्ययन विश्लेषणका आधार                                       | १४          |
| २.५          | निष्कर्ष  | १७          |
| तेस्रो प     | मिरच्छेद : लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा कार्यगत भूमिकाको दृष्टिकोणबाट प | गत्रको      |
|              | अवस्थिति १  | <u>८-४३</u> |
| ₹.9          | विषयप्रवेश  | 95          |
| ₹.२          | कार्यगत भूमिकाका आधारमा <b>बसाइँ</b> उपन्यासका पात्र अवस्थितिको अध्ययन    | 95          |
|              | ३.२.१ उपन्यासमा व्यक्त मूल पात्र  | २२          |
|              | ३.२.२ उपन्यासमा व्यक्त गौण पात्र  | २४          |
|              | ३.२.३ अति गौण पात्र   | २६          |

|      | ३.२.४ निष्कर्ष  | २६          |
|------|---|-------------|
| ₹. ₹ | भूमिकाका आधारमा <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रहरूको अवस्थिति               | २७          |
|      | ३.३.९ उपन्यासमा व्यक्त मूल पात्र  | २९          |
|      | ३.३.२ उपन्यासमा व्यक्त गौण पात्र  | ३१          |
|      | ३.३.३ अति गौण पात्र   | ३२          |
|      | ३.३.४ निष्कर्ष  | ३३          |
| ३.४  | भूमिकाका आधारमा <b>ब्रह्मपुत्रका उेउछाउ</b> उपन्यासमा पात्रहरूको अवस्थिति | ३४          |
|      | ३.४.९ उपन्यासमा व्यक्त मूल पात्र  | ३६          |
|      | ३.४.२ उपन्यासमा व्यक्त गौण पात्र  | ३८          |
|      | ३.४.३ उपन्यासमा व्यक्त अति गौण पात्र                                      | ४१          |
| ₹.ሂ  | निष्कर्ष  | ४२          |
| चौथो | परिच्छेद : लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा पात्रको सामाजिक, पारिव          | गरिक.       |
|      |   | <b>४-६३</b> |
| ૪.૧  | विषयप्रवेश  | ४४          |
| ४.२  | <b>बसाइँ</b> उपन्यासका पात्रहरूको सामाजिक, पारिवारिक, लिङ्गगत तथा उर्     | नेरगत       |
|      | अवस्थिति  | ४४          |
|      | ४.२.१ बसाइँ उपन्यासमा पात्रको सामाजिक, पारिवारिक अवस्था                   | ४४          |
|      | ४.२.२ <b>बसाइँ</b> उपन्यासका पात्रको लिङ्गगत तथा उमेरगत अवस्था            | ४७          |
| ४.३  | <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रहरूको सामाजिक, परिवारिक, लिङ्गगत तथा उर्     | नेरगत       |
|      | अवस्थिति  | ४९          |
|      | ४.३.१ <b>अतृप्त</b> उपन्यासको पात्रहरूको सामाजिक, पारिवारिक अवस्थिति      | ५०          |
|      | ४.३.२ <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रको लिङ्गगत तथा उमेरगत अवस्था           | ሂ३          |
| 8.8  | <b>ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ</b> उपन्यासका पात्रहरूको सामाजिक, पारिवारिक, लिङ् | गगत         |
|      | तथा उमेरगत अवस्थिति   | ሂሂ          |
|      | ४.४.१ ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ उपन्यासमा पात्रको सामाजिक, पारिवारिक अवस       | था ५५       |
|      |   |             |

४.५. निष्कर्ष ६२

## पाँचौ परिच्छेद : लीलबहादुर क्षेत्रीका उपन्यासमा पात्रहरुको नैतिक र मानसिक

|             | अवस्था   | ६३-१०८  |
|-------------|--|---------|
| ሂ.٩         | विषयप्रवेश   | ६३      |
| ५.२         | बसाइँ उपन्यासमा आएका प्रमुख पात्रको नैतिक र मानसिक अवस्था          | ६३      |
| ሂ.३         | अतृप्त उपन्यासका प्रमुख पात्रहरूको नैतिक एबम् मानसिक अवस्थिति      | 99      |
| <b>X.</b> 8 | <b>ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ</b> उपन्यासका प्रमुख पात्रहरुको नैतिक एवम् | मानसिक  |
|             | अवस्था   | ९२      |
| <b>ሂ</b> .ሂ | निष्कर्ष   | १०८     |
| छैटौँ प     | रिच्छेद:सारांश तथा निष्कर्ष  | १०९-१११ |
| ६.१         | सारांश   | १०९     |
| ६.२         | निष्कर्ष   | 999     |
|             |  |         |
| सन्दर्भ     | सामग्रीसूची  | ११२-११४ |

## तालिकासूची

### तालिका नं तालिका शीर्षक

| ۱.         | कृतिगत भूमिकाका आधारमा <b>बसाइँ</b> उपन्यासका पात्रहरूको वर्गीकरण         | १९ |
|------------|---|----|
| ₹.         | बसाइँ उपन्यासमा पात्रको पुनरावृति   | २१ |
| ₹.         | कृतिगत भूमिकाका आधारमा <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रहरूको वर्गीकरण        | २८ |
| ४.         | कृतिगत भूमिकाका आधारमा <b>ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ</b> उपन्यासका              |    |
|            | पात्रहरुको वर्गीकरण   | ३५ |
| ሂ .        | बसाइँ उपन्यासका पात्रको सामाजिक, पारिवारिक अवस्थिति                       | ४४ |
| <b>ج</b> . | बसाइँ उपन्यासका पात्रको लिङ्गगत तथा उमेरगत स्थिति                         | ४८ |
| ૭ .        | <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रको सामाजिक, पारिवारिक अवस्थिति               | ሂባ |
| 5.         | <b>अतृप्त</b> उपन्यासका पात्रको लिङ्गगत तथा उमेरगत स्थिति                 | ४४ |
| ९.         | <b>ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ</b> उपन्यासका पात्रको सामाजिक, पारिवारिक अवस्थिति | ५६ |
| ૧૦.        | <b>ब्रह्मपुत्रका छेउछाउ</b> उपन्यासका पात्रको लिङ्गगत तथा उमेरगत स्थिति   | ६० |